

प्रेषक,

टी० के० पन्त,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1  
लोक निर्माण विभाग,  
देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 28 जुलाई, 2006

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रदेश के अवरुद्ध मार्गों को तत्काल खोले जाने हेतु मार्गों/पुलियों के अनुरक्षण एवं मरम्मत हेतु प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में शासन की जानकारी में आया है कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के कतिपय अनेक मार्ग अविवृष्टि के कारण भूस्खलन आदि से अवरुद्ध हैं एवं कई मार्गों के अवरुद्ध होने की संभावना है। इन मार्गों को खोलने एवं यातायात हेतु उपलब्ध कराने हेतु मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रदेश के मार्गों/पुलियों के अनुरक्षण एवं मरम्मत हेतु आयोजनेत्तर मद में प्राविधानित धनराशि रु० 38.50 करोड़ (रु० अठतीस करोड़ पचास लाख मात्र) को आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि को सी.सी.एल. के अनुसार त्रैमासिक फॉट के अनुसार आहरण किया जायेगा ।
3. व्यय उन्ही मदों/योजनाओं पर किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है। कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता का समस्त दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का ही मानते हुए इसके विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जायेगी ।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय /भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा ।
6. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय नियम संग्रह एवं अन्य विभागीय अध्याविक नियमों का अनुपालन किया जायेगा ।
7. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-22 लेखाशीर्षक 3054-सड़क तथा सेतु-03-अनुरक्षण एवं मरम्मत- 0301-प्रदेश के मार्गों/पुलियों का अनुरक्षण कार्य-00-आयोजनेत्तर -24 वृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।
8. यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या-यू.ओ.-51 /XXVII(2)/2006 दिनांक 25 जुलाई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

मवदीय,

(टी० के० पन्त)  
संयुक्त सचिव।

प्रेषक,

टी० के० पन्त,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1  
लोक निर्माण विभाग,  
देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 28 जुलाई, 2006

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रदेश के अवरुद्ध मार्गों को तत्काल खोले जाने हेतु मार्गों/पुलियों के अनुरक्षण एवं मरम्मत हेतु प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय शासनादेश सं०-2198/III-2/06-10 (बजट)/2006 दिनांक 28.7.2006 के द्वारा राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के कतिपय अनेक मार्ग अतिवृष्टि के कारण भूस्खलन आदि से अवरुद्ध होने एवं कई मार्गों के अवरुद्ध होने की संभावना को देखते हुए इन मार्गों को खोलने एवं यातायात हेतु उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रदेश के मार्गों/पुलियों के अनुरक्षण एवं मरम्मत हेतु आयोजनेत्तर मद में प्राविधानित धनराशि रु० 38.50 करोड़ (रु० अड़तीस करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि को आपके निर्वतन पर रखने के आदेश पारित किये गये हैं। इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके निर्वतन पर रखी गयी धनराशि में से अवरुद्ध मार्गों को खोलने एवं यातायात हेतु उपलब्ध कराने हेतु रु० 80.00 लाख (रु० अस्सी लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने की निम्न शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. निर्वतन पर रखी गई रु० 38.50 करोड़ में से रु० 80.00 लाख की धनराशि के आहरण के बाद शेष धनराशि का व्यय योजनावार उपलब्ध कराये जाने वाले कार्यों की सूची पर शासन के अनुमोदनोपरान्त ही किया जायेगा ।

3. उक्त स्वीकृत धनराशि को सी.सी.एल. के अनुसार त्रैमासिक फॉट के अनुसार आहरण किया जायेगा ।

4. व्यय उन्ही मदों/योजनाओं पर किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है। कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता का समस्त दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का ही मानते हुए इसके विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जायेगी ।

5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय /भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा ।

6. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय नियम संग्रह एवं अन्य विभागीय अध्याविक नियमों का अनुपालन किया जायेगा ।

7. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-22 लेखाशीर्षक 3054-सड़क तथा संतु-03-अनुरक्षण एवं मरम्मत- 0301-प्रदेश के मार्गों/पुलियों का अनुरक्षण कार्य-00-आयोजनेत्तर -24 वृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

भवदीय,

(टी० के० पन्त)  
संयुक्त सचिव ।

संख्या 2208(1)/111-(2)/06, तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- आयुक्त गढ़वाल/कुमायू मंडल, पौड़ी/नैनीताल।
- 2- सभस्त जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3- मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल/कुमायू क्षेत्र, लो०नि०वि०, पौड़ी/अल्मोड़ा।
- 4- सभस्त अधीक्षण अभियन्ता लो०नि०वि०, उत्तरांचल।
- 5- वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तरांचल शासन
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7- निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर।
- 8- निजी सचिव, मा० लोक निर्माण मंत्री जी उत्तरांचल।
- 9- लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तरांचल शासन/गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(टी० के० पन्त)  
संयुक्त सचिव।



संख्या-21481/111-(2)/06, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- आयुक्त गढ़वाल/कुमायू मंडल, पौड़ी/नैनीताल।
- 2- समस्त जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3- मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल/कुमायू क्षेत्र, लो0नि0वि0, पौड़ी/अल्मोड़ा।
- 4- समस्त अधीक्षण अभियन्ता लो0नि0वि0, उत्तरांचल।
- 5- वित्त अनुभाग-2/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तरांचल शासन
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।
- 7- निदेशक राष्ट्रीय भूतन्त्रा केन्द्र सचिवालय परिसर।
- 8- निजी सचिव, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी उत्तरांचल।
- 9- लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तरांचल शासन/गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(टी0के0 पन्त)  
संयुक्त सचिव।

: